



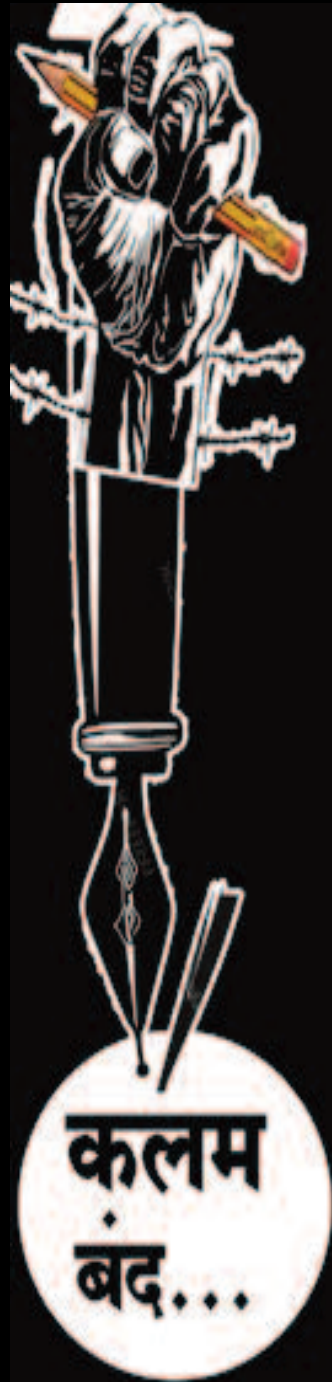
# क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

## क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

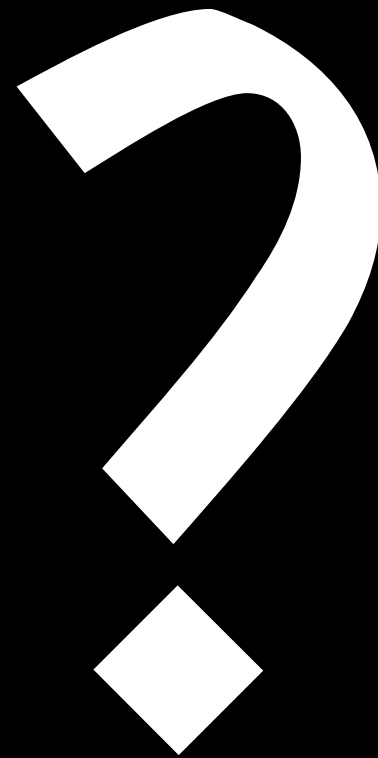


### तुगलकी फरमान के विरुद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरुद्ध कलमबंद अभियान... ?



कलम बंद...का उन्नीसवां दिन



कलम बंद...का उन्नीसवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के सही पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

खुला पत्र

# क्या प्रकाशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

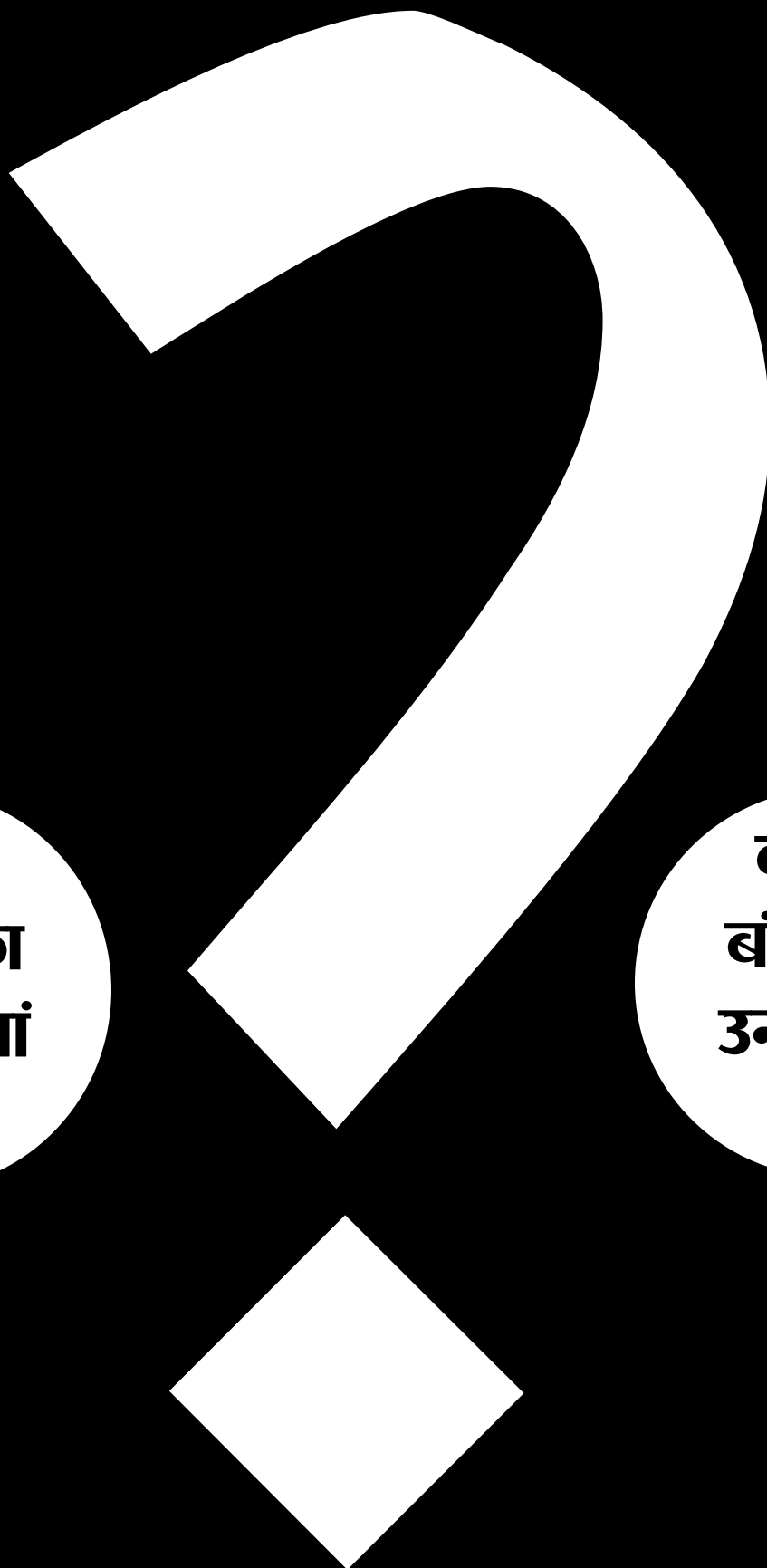
अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं... वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं... आपके विभाग में कितनी कमियां हैं... यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है... वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें... यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

## क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?



कलम  
बंद...का  
उन्नीसवां  
दिन

कलम  
बंद...



कलम  
बंद...का  
उन्नीसवां  
दिन

कलम  
बंद...



घटती-घटना के सही पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

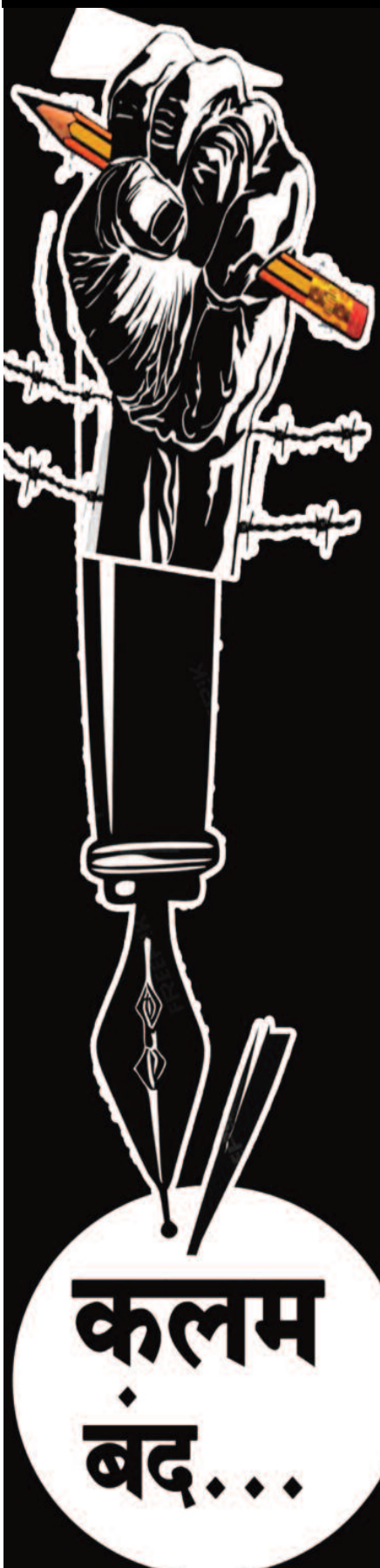
संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

## खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

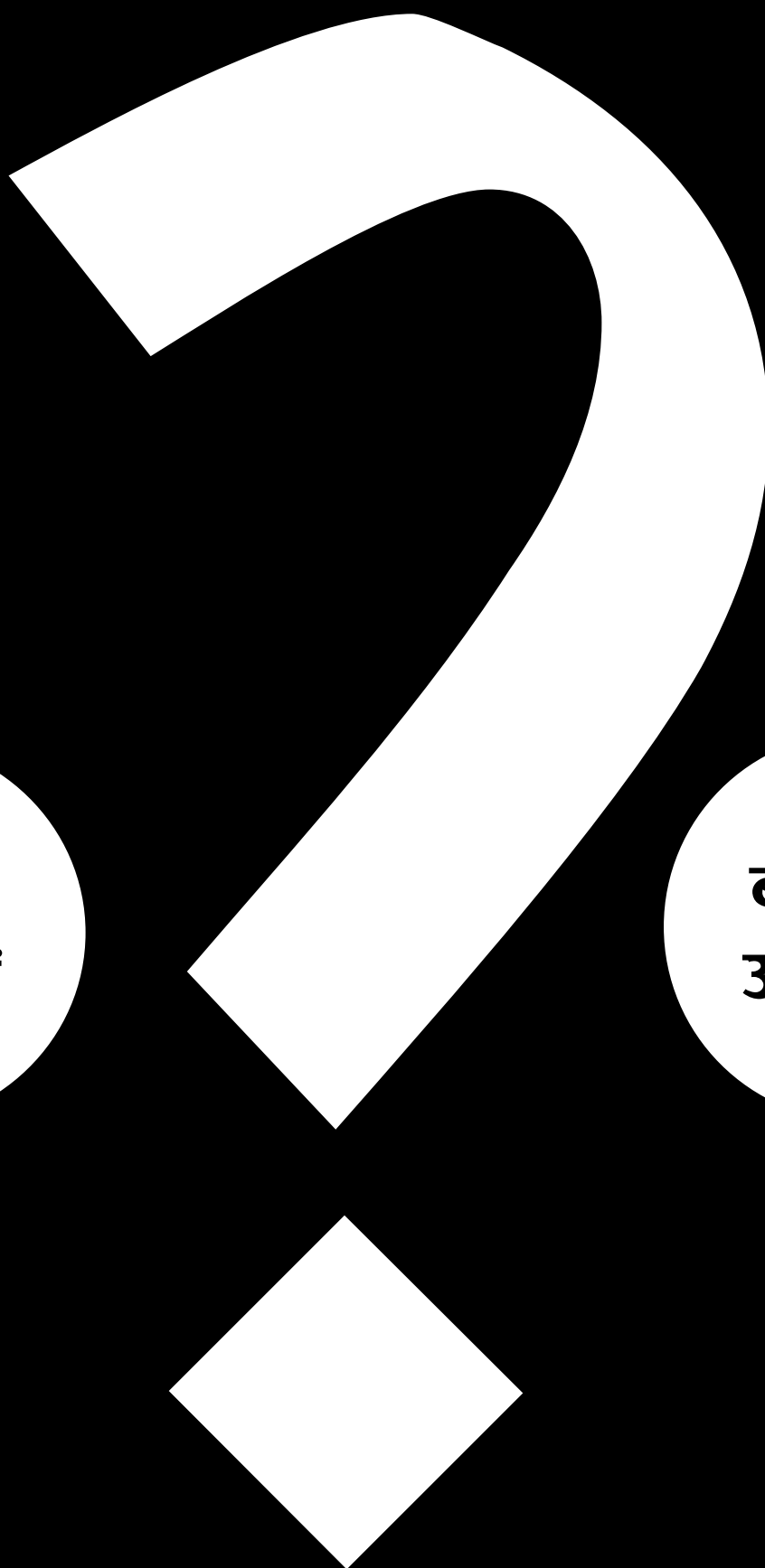
अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केन्द्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री, विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार, संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

## क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?



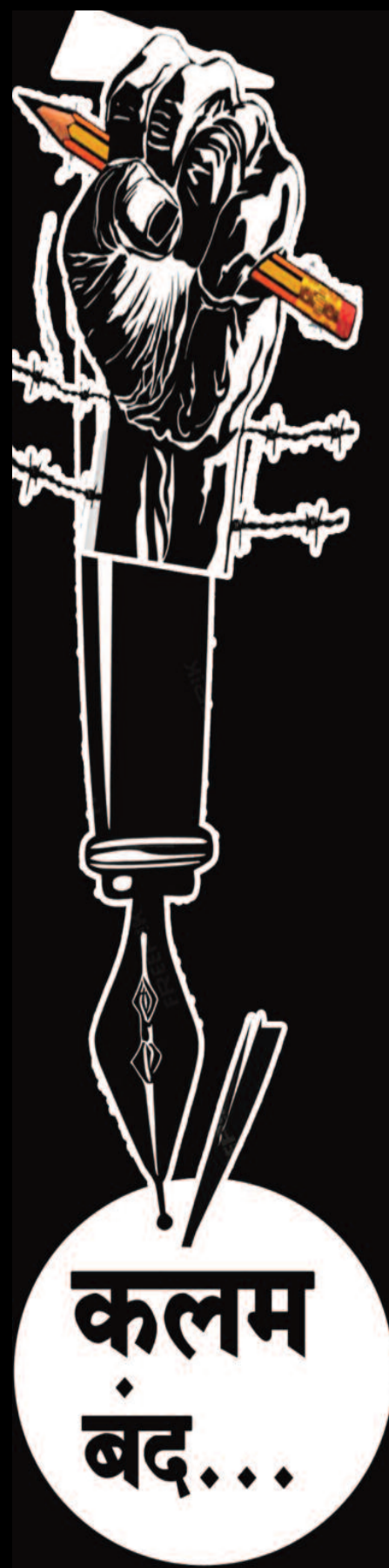
कलम  
बंद...का  
उन्नीसवां  
दिन

कलम  
बंद...



कलम  
बंद...का  
उन्नीसवां  
दिन

कलम  
बंद...



घटती-घटना के सही पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

## खुला पत्र

# भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है... इन दिनों... कुछ को छोड़कर... हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है... नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे... इसके कारण, अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं... दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना, गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है... देश और दुनिया को डरा दिया है... वहीं, पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है... जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

## क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?



कलम  
बंद...

कलम  
बंद...का  
उन्नीसवां  
दिन

कलम  
बंद...का  
उन्नीसवां  
दिन

कलम  
बंद...

घटती-घटना के सही पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

खुला पत्र

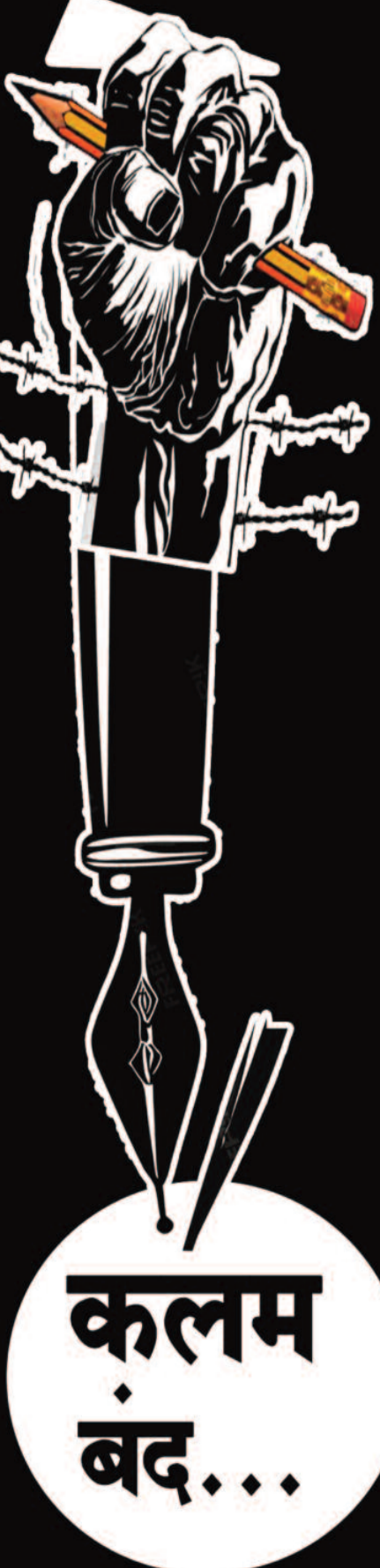
# क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

- » भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
- » कमी दिखाओ तो दिक्कत...
- » जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 18 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।  
आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या

करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

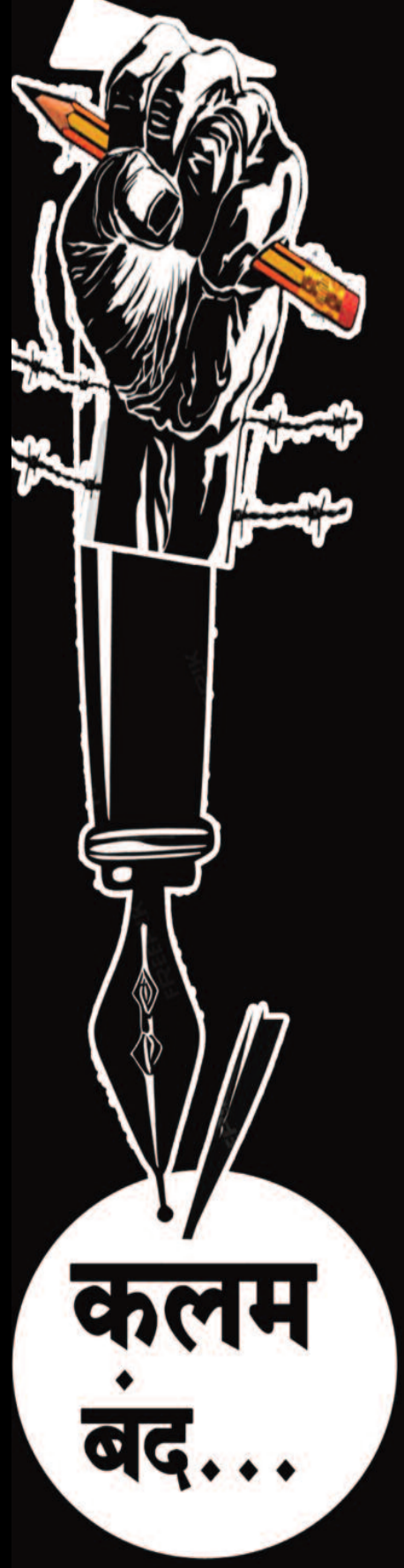
## क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?



कलम बंद...

कलम बंद...का उन्नीसवां दिन

कलम बंद...का उन्नीसवां दिन



कलम बंद...

घटती-घटना के सही पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को ही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह



## खुला पत्र

## तुगलकी फरमान के विरुद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचालक के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरुद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

## क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

## आपातकाल



संविधान हत्या दिवस 25 जून  
क्या छत्तीसगढ़ में भी मनेगा?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या  
कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता  
रहेगा इंसाफ तक...

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

## क्यों न लिखें सच ?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या ?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी

फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार

पर क्यों किया जा रहा है जुर्म... ?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक

दैनिक अखबार को... ?

घटती-घटना के सही पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह